जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी

मामनुस्मर युद्ध्य च
जयन्ती प्रकाशन लक्ष्मणगढ़

शेखावाटी सन्मार्ग

भारत सरकार पंजीयन नं. : 72322/91

सतीनां वै सतांचैव दातृणां विदुषां तथा।
आकरं गुण शीलानां लक्ष्मणदुर्गं मनोहरम्।।

नमोस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै।
नमोस्तु रुद्रेन्द्र यमानिलेभ्यो नमोस्तु चन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः।।

Mob: 9828665353
Web: www.srrividya.com

पाक्षिक । वर्ष–32। अंक–15। लक्ष्मणगढ 16 मई 2023 । मूल्य (विशेषांक सहित) 100 रु. वार्षिक ।

बगड़िया बाल विद्या निकेतन में मनाया मजदूर दिवस श्रमिकों का किया सम्मान

लक्ष्मणगढ़ | 1 मई 2023 (निजसंवाददाता) | बगड़िया बाल विद्या निकेतन में मजदूर दिवस के उपलक्ष में संस्था के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को माल्यार्पण व मिठाई वितरण कर विशिष्ट सम्मान सम्मान किया गया ।

कार्यक्रम में निकेतन सचिव पवन गोयनका, कार्यवाहक प्राचार्य विपिन शर्मा एवं प्राइमरी इंचार्ज निधि जोशी मंचासीन रहे। विद्यालय में बच्चों के लिए एक संदेश कि समाज के लिए सभी वर्ग अपनी अपनी अलग पहचान रखने वाले एवं आवश्यक वर्ग हैं | अतः इन्हें उपेक्षित किया जाना सर्वथा अनुचित है | इसके साथ इस कार्यक्रम का आयोजन हुआ |

कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका ममता ध्यावडा के निर्देशन में रोनक बुडाणिया एवं ख्याति नाउवाला ने किया | समस्त स्टाफ गणों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति में एक गरिमामय कार्यक्रम में कर्मचारियों का सम्मान कर उनका धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

धूमधाम से निकली श्री नृसिंह भगवान् की शोभायात्रा

लक्ष्मणगढ़ | 4 मई (निजसंवाददाता)। श्री नृसिंह चतुर्दशी के पावन पर्व पर भगवान् श्री नृसिंह जी की भव्य एवं विराट् शोभायात्रा गुरुवार को प्रातः 8:30 बजे श्री लक्ष्मी नृसिंह मन्दिर से निकाली गई ।

यह जानकारी देते हुए आयोजन समिति के रामस्वरूप सोमानी ने बताया कि शोभायात्रा श्री लक्ष्मी नृसिंह भगवान् के मंदिर घंटाघर से रवाना होकर चौपड़ बाजार, मुरलीमनोहर मन्दिर, पक्की प्याऊ, कबुतरिया कुआँ, सीताराम जी के मंदिर से होते हुए श्री नृसिंह भगवान् मंदिर पहुंची । इस अवसर पर गायक कलाकारों द्वारा भजन कीर्तन, 108 महिलाओं द्वारा कलश यात्रा भी साथ रही । जबकि शाम को 7:00 बजे श्री नृसिंह भगवान् के मंदिर में महाआरती के साथ प्रसाद का आयोजन हुआ ।

गोयनका कॉलेज में हुई ऑफ फार्मेसी का फ्रेशर पार्टी स्पार्कल आयोजित

लक्ष्मणगढ़ | 6 मई (निजसंवाददाता) | राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित गोयनका कॉलेज ऑफ़ फार्मेसी में शनिवार को फ्रेशर पार्टी स्पार्कल 2023 का आयोजित हुआ।

यह जानकारी देते हुए कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एन. रविन्द्रा ने बताया कि इस कार्यक्रम में कॉलेज के सीनियर छात्र-छात्राओं ने बी. फार्मेसी एवं डी. फार्मेसी प्रथम वर्ष के नवागंतुक छात्र-छात्राओं के स्वागत में इस उक्त आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वल्लन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। विभिन्न प्रतियोगिताओं के आधार पर बी. फार्मेसी से ख़ुशी शर्मा को मिस फ्रेशर एवं प्रतीक शर्मा को मिस्टर फ्रेशर चुना गया | जबकि डी. फार्मेसी से कंचन सैनी को मिस फ्रेशर एवं मोहम्मद समीर को मिस्टर फ्रेशर चुना गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी गिरीश शर्मा, प्रोफेसर डॉ. विजय शर्मा, डॉ. सुधीर कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर सीताराम, ऋतू शर्मा, सुनील कुमावत, असिस्टेंट प्रोफेसर दीपिका, रवि कुमार, वीरेंद्र, सरिता, ऑफिस एग्जीक्यूटिव कुणाल पारीक सहित सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन चंचल, महिमा एवं मुस्तकीम ने किया।

बालिका आदर्श विद्या मन्दिर विद्यालय में हुआ शिशु बाल प्रदर्शनी का आयोजन

लक्ष्मणगढ़ | 7 मई (निजसंवाददाता)। बालिका आदर्श विद्या मंदिर सीकर मार्ग में शिशु वाटिका की 12 व्यवस्थाओं से संबंधित प्रदर्शनी लगाई गई | जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत क्रिया आधारित शैक्षिक प्रक्रिया को अपनाते हुए शिशु बाल प्रदर्शनी का आयोजन किया । प्रदर्शनी में भारतीय शिक्षा पद्धति से जुड़ी हुई 12 व्यवस्थाएं - चित्र संग्रहालय, वस्तु संग्रहालय, कुआ चिड़ियाघर कलाशाला, कार्यशाला, विज्ञान प्रयोगशाला, रंगमंच, तरणताल, बगीचा, आदर्श घर, ग्रामीण परिवेश से संबंधित प्रदर्शनी का सजीव प्रदर्शन भैया बहिनों के द्वारा किया गया । बालक व्यवहारिक रूप से कैसे शिक्षा ग्रहण कर सकता है, यह बालकों ने करके प्रदर्शनी में बताया ।

कार्यक्रम में पारीक अस्पताल के डॉ. अभिषेक पारीक, डॉ. मेहा पारीक, डॉ. निरुपमा उपाध्याय, भाजपा जिला मंत्री भागीरथमल गोदारा, रामप्रकाश वेदी, रामगोपाल पारीक शिशु वाटिका प्रमुख जयपुर प्रान्त, अर्जुनलाल वर्मा आदि अतिथि उपस्थित थे। विद्या मंदिर समिति के उपाध्यक्ष जयप्रकाश सरावगी, मंत्री मुरारीलाल महर्षि, व्यवस्थापक पुरुषोत्तम मिश्र, कोषाध्यक्ष प्रमोद मंगलुनेवाला, सुरेंद्र कुमार इंदौरिया, अरुण कुमार सैन, दिलीप कुमार नाउवाला, भवानी शंकर जाजोदिया, सुरेश कुमार बीबीपुरिया, राजकुमार ख़िरवेवाला, पुरुषोत्तम बिल, अशोक कुमार पारीक, मुरारीलाल मिश्र , सूरजभान बीजला, नरेश शर्मा सहित स्टाफजनों की उपस्थित में प्रदर्शनी का अवलोकन किया ।

इसमें जयपुर प्रांत के शिशु वाटिका प्रमुख रामगोपाल पारीक ने बालक के सर्वांगीण विकास के लिए शिशु वाटिका की 12 व्यवस्थाओं के बारे में अपने विचार रखे । विद्यालय के प्रधानाचार्य विद्याधर शर्मा व सहायक प्रधानाचार्या श्रीमती मधुबाला शर्मा ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया | कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शर्मिला शर्मा ने किया । समिति के उपाध्यक्ष जयप्रकाश सरावगी ने धन्यवाद दिया |

सम्पादकीय

वीर महाराणा प्रताप

" सन्मार्ग एव सर्वत्र पूज्यतेनाऽपथ: क्वचित् "

जन्म - महाराणा प्रताप के जन्मस्थान के प्रश्न पर दो धारणाएँ है। पहली महाराणा प्रताप का जन्म कुम्भलगढ़ दुर्ग में हुआ था, क्योंकि महाराणा उदयसिंह एवम जयवंताबाई का विवाह कुंभलगढ़ महल में हुआ। दूसरी धारणा यह है कि उनका जन्म पाली के राजमहलों में हुआ। **महाराणा प्रताप की माता का नाम जयवंता बाई था, जो पाली के सोनगरा अखैराज की बेटी थी।** महाराणा प्रताप का बचपन भील समुदाय के साथ बिता, भीलों के साथ ही वे युद्ध कला सीखते थे, भील अपने पुत्र को कीका कहकर पुकारते है, इसलिए भील महाराणा को कीका नाम से पुकारते थे। लेखक विजय नाहर की पुस्तक हिन्दुवा सूर्य महाराणा प्रताप के अनुसार जब प्रताप का जन्म हुआ था उस समय उदयसिंह युद्ध और असुरक्षा से घिरे हुए थे। कुंभलगढ़ किसी तरह से सुरक्षित नही था। जोधपुर के शक्तिशाली राठौड़ी राजा राजा मालदेव उन दिनों उत्तर भारत मे सबसे शक्तिसम्पन्न थे। एवं जयवंता बाई के पिता एवम पाली के शासक सोनगरा अखेराज मालदेव का एक विश्वसनीय सामन्त एवं सेनानायक था।

इस कारण पाली और मारवाड़ हर तरह से सुरक्षित था और रणबंका राठौड़ो की कमध्ज सेना के सामने अकबर की शक्ति बहुत कम थी | अतः जयवंता बाई को पाली भेजा गया। वि. सं. ज्येष्ठ शुक्ला तृतीया सं 1597 को प्रताप का जन्म पाली मारवाड़ में हुआ। प्रताप के जन्म का शुभ समाचार मिलते ही उदयसिंह की सेना ने प्रयाण प्रारम्भ कर दिया और मावली युद्ध मे बनवीर के विरूद्ध विजय श्री प्राप्त कर चित्तौड़ के सिंहासन पर अपना अधिकार कर लिया। भारतीय प्रशासनिक सेवा से सेवानिवत्त अधिकारी देवेंद्र सिंह शक्तावत की पुस्तक महाराणा प्रताप के प्रमुख सहयोगी के अनुसार महाराणा प्रताप का जन्म स्थान महाराव के गढ़ के अवशेष जूनि कचहरी पाली में विद्यमान है। यहां सोनागरों की कुलदेवी नागनाची का मंदिर आज भी सुरक्षित है। पुस्तक के अनुसार पुरानी परम्पराओं के अनुसार लड़की के पहले पुत्र का जन्म अपने पीहर में होता है।

इतिहासकार अर्जुन सिंह शेखावत के अनुसार महाराणा प्रताप की जन्मपत्रिका पुरानी दिनमान पद्धति से अर्धरात्रि 12/17 से 12/57 के मध्य जन्मसमय से बनी हुई है। 5/51 पलमा पर बनी सूर्योदय 0/0 पर स्पष्ट सूर्य का मालूम होना जरूरी है | इससे जन्मकालीन इष्ट आ जाती है। यह कुंडली चित्तौड़ या मेवाड़ के किसी स्थान में हुई होती तो प्रातः स्पष्ट सूर्य का राशि अंश कला विकला अलग होती। पण्डित द्वारा स्थान कालगणना पुरानी पद्धति से बनी प्रातः सूर्योदय राशि कला विकला पाली के समान है।

डॉ. हुकमसिंह भाटी की पुस्तक सोनगरा सांचोरा चौहानों का इतिहास 1987 एवं इतिहासकार मुहता नैणसी की पुस्तक ख्यात मारवाड़ रा परगना री विगत में भी स्पष्ट है "पाली के सुविख्यात ठाकुर अखेराज सोनगरा की कन्या जैवन्ताबाई ने वि. सं. 1597 जेष्ठ सुदी 3 रविवार को सूर्योदय से 47 घड़ी 13 पल गए एक ऐसे देदीप्यमान बालक को जन्म दिया। धन्य है पाली की यह धरा जिसने प्रताप जैसे रत्न को जन्म दिया।

जीवन परिचय - राणा उदयसिंह के दूसरी रानी **धीरबाई** जिसे राज्य के इतिहास में रानी भटियाणी के नाम से जाना जाता है, यह अपने पुत्र कुंवर जगमाल को मेवाड़ का उत्तराधिकारी बनाना चाहती थी | प्रताप के उत्तराधिकारी होने पर इसके विरोध स्वरूप जगमाल अकबर के खेमे में चला जाता है। महाराणा प्रताप का प्रथम राज्याभिषेक में 28 फरवरी, 1572 में गोगुन्दा में हुआ था | लेकिन विधि विधानस्वरूप राणा प्रताप का द्वितीय राज्याभिषेक 1572 ई. में ही कुंभलगढ़ दुर्ग में हुआ, दूसरे राज्याभिषेक में जोधपुर का राठौड़ शासक राव चन्द्रसेन भी उपस्थित थे।

महाराणा प्रताप के शासनकाल में सबसे रोचक तथ्य यह है कि मुगल सम्राट अकबर बिना युद्ध के प्रताप को अपने अधीन लाना चाहता था | इसलिए अकबर ने प्रताप को समझाने के लिए चार राजदूत नियुक्त किये जिसमें सर्वप्रथम सितम्बर 1572 ई. में जलाल खां प्रताप के खेमे में गया | इसी क्रम में मानसिंह (1573 ई. में), भगवानदास (सितम्बर 1573 ई. में) तथा राजा टोडरमल (दिसम्बर 1573 ई.) प्रताप को समझाने के लिए पहुँचे, लेकिन महाराणा प्रताप ने चारों को निराश किया | इस तरह राणा प्रताप ने मुगलों की अधीनता स्वीकार करने से मना कर दिया, जिसके परिणामस्वरुप हल्दीघाटी का ऐतिहासिक युद्ध हुआ |

हल्दीघाटी घाटी का युद्ध - यह युद्ध 18 जून 1576 ईस्वी में मेवाड़ तथा मुगलों के मध्य हुआ था। इस युद्ध में मेवाड़ की सेना का नेतृत्व महाराणा प्रताप ने किया था। भील सेना के सरदार, पानरवा (भोमट क्षेत्र) के ठाकुर राणा पूंजा सोलंकी थे।इस युद्ध में महाराणा प्रताप की तरफ से लड़ने वाले एकमात्र मुस्लिम सरदार थे- हकीम खाँ सूरी।

लड़ाई का स्थल राजस्थान के गोगुन्दा के पास हल्दीघाटी में एक संकरा पहाड़ी दर्रा था। महाराणा प्रताप ने लगभग 3,000 घुड़सवारों और 400 भील धनुर्धारियों के बल को मैदान में उतारा। मुगलों का नेतृत्व आमेर के राजा मान सिंह ने किया था, जिन्होंने लगभग 5,000-10,000 लोगों की सेना की कमान संभाली थी। तीन घण्टे से अधिक समय तक चले भयंकर युद्ध के बाद, महाराणा प्रताप ने खुद को जख्मी पाया जबकि उनके कुछ लोगों ने उन्हें समय दिया, वे पहाड़ियों से भागने में सफल रहे और एक और दिन लड़ने के लिए जीवित रहे। मेवाड़ के हताहतों की संख्या लगभग 1,600 पुरुषों की थी। मुगल सेना ने 3500-7800 लोगों को खो दिया, जिसमें 350 अन्य घायल हो गए। इस युद्ध में मेवाड़ के महाराणा प्रताप विजयी हुए थे, जैसे ही साम्राज्य का ध्यान कहीं और स्थानांतरित हुआ, प्रताप और उनकी सेना बाहर आ गई और अपने प्रभुत्व के पश्चिमी क्षेत्रों को हटा लिया।

इस युद्ध में मुगल सेना का नेतृत्व मानसिंह तथा आसफ खाँ ने किया। इस युद्ध का आँखों देखा वर्णन अब्दुल कादिर बदायूनीं ने किया। इस युद्ध को आसफ खाँ ने अप्रत्यक्ष रूप से जेहाद की संज्ञा दी। इस युद्ध में बींदा के झालामान ने अपने प्राणों का बलिदान करके महाराणा प्रताप के जीवन की रक्षा की। वहीं ग्वालियर नरेश 'राजा रामशाह तोमर' भी अपने तीन पुत्रों 'कुँवर शालीवाहन', 'कुँवर भवानी सिंह 'कुँवर प्रताप सिंह' और पौत्र बलभद्र सिंह एवं सैकडों वीर तोमर राजपूत योद्धाओं समेत चिरनिद्रा में सो गया।

शत्रु सेना से घिर चुके महाराणा प्रताप को झाला मानसिंह ने आपने प्राण दे कर बचाया और महाराणा को युद्ध भूमि छोड़ने के लिए बोला। शक्ति सिंह ने आपना अश्व दे कर महाराणा को बचाया। प्रिय अश्व चेतक की भी मृत्यु हुई। हल्दीघाटी के युद्ध में और देवर और चप्पली की लड़ाई में महाराणा प्रताप को सर्वश्रेष्ठ राजपूत राजा और उनकी बहादुरी,पराक्रम,चारित्र्य, धर्मनिष्ठा,त्याग, के लिए जाना जाता था। मुगलों के सफल प्रतिरोध के बाद, उन्हें "हिंदुशिरोमणी" माना गया |

यह युद्ध तो केवल एक दिन चला परन्तु इसमें 17,000 लोग मारे गए। मेवाड़ को जीतने के लिये अकबर ने सभी प्रयास किये। महाराणा की हालत दिन-प्रतिदिन चिन्ताजनक होती चली गई। 24,000 सैनिकों के 12 साल तक गुजारे लायक अनुदान देकर भामाशाह भी अमर हुआ |

इतिहासकार मानते हैं कि इस युद्ध में कोई विजय नहीं हुआ। पर देखा जाए तो इस युद्ध में महाराणा प्रताप सिंह विजय हुए। अकबर की विशाल सेना के सामने मुट्ठीभर राजपूत कितनी देर तक टिक पाते, पर ऐसा कुछ नहीं हुआ, ये युद्ध पूरे एक दिन चला औैर राजपूतों ने मुग़लों के छक्के छुड़ा दिया थे और सबसे बड़ी बात यह है कि युद्ध आमने सामने लड़ा गया था। महाराणा की सेना ने मुगलों की सेना को पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया था और मुगल सेना भागने लग गयी थी।

शशिकान्त जोशी
सम्पादक

नगर आराध्यदेव भगवान् श्रीलक्ष्मीनाथजी का मनाया विराट् महोत्सव

श्रद्धा और आस्था के बीच संजी व झांकियों ने श्रद्धालुओं को किया भाव विभोर

फतेहपुर | (निजसंवाददाता)। नगर आराध्यदेव भगवान् श्री लक्ष्मीनाथजी के 493 वें विराट् महोत्सव पर शुक्रवार को भगवान् श्री लक्ष्मीनाथजी की शोभायात्रा के दौरान आकर्षण का केन्द्र रही संजीव झांकियां | मां काली की नरमुंडों की माला पहने एवं उनके प्रतिरूपों में असुरों का नाश करते हुए तलवार के लगा रक्त और मुंह से निकलता खून देख कर हर दर्शकों ने मां काली के इस रूप को देख कर अचरज करते हुए मानों अपनी सांसों को रोक लिया | मां काली के रुद्र रुप से एक बारगी तो छोटे बच्चे भी मां के आंचल में छुपते नजर आए। इस मौके पर उज्जैन के महाकाल और उनके गणों की ओर से किया गया नृत्य देख कर श्रद्धालू भाव विभोर हो गए। भगवान् भोलेनाथ के अघोरी रुप में बारात तथा अग्नि नृत्य भी लोगों के लिए कौतूहल का विषय बना रहा।

बाबा की शोभायात्रा के दौरान बाहुबली हनुमान की ओर से राम भक्ति में लीन होकर किया गया नृत्य भी श्रद्धालुओं को अपनी ओर खींच रहा था। शोभायात्रा में महाराष्ट्र के 101 लोक कलाकारों की ओर से पुणेरी ढ़ोल एवं उज्जैन के लोक कलाकारों की ओर से नृत्य के साथ झांझ की रोचक प्रस्तुति ने भी श्रद्धालुओं के मन के तारों को महाकाल की भक्ति में सरोबर कर दिया | वहीं पुणेरी ढोल पर कलाकारों की ओर से शानदार नृत्य की मनभावक प्रस्तुति से भी लोग भाव विभोर हो कर रह गए।

श्रीलक्ष्मीनाथ मंदिर प्रबंध समिति एवं समस्त भक्तों की ओर से आयोजित विराट् एवं भव्य तथा दिव्य आयोजन ने कस्बे को पूरी तरह से लक्ष्मीनाथमय बना दिया और कस्बे के हर कोने से लक्ष्मीनाथ के जयघोष से आसमान गुंजायमान हो रहा था। वही महिला भक्त मण्डली की ओर से शोभायात्रा के दौरान भजन कीर्तन की एक से बढ़ कर एक प्रस्तुति बाबा के दरबार में दी गई । आयोजित शोभायात्रा के दौरान दिल्ली के कलाकारों की ओर से संजीव झांकिया सजायी गई तो शोभायात्रा में रथ, बग्गी, हाथी, घोड़े व उटों के शाही लवाजमें के साथ निकाली गई | शोभायात्रा तथा श्री लक्ष्मीनाथ जी महाराज का विशेष श्रृंगार भी आकर्षण का केन्द्र रही |

कृष्ण लीलाओं पर झूमे श्रद्धालु

सांयकाल मंदिर मे दर्शनार्थ श्रद्वालुओ की भीड उमड पडी। मंदिर मे सांयकाल लक्ष्मीनाथ बाबा की प्रतिमा का विशेष श्रृंगार कर आरती की गई। मंदिर के सभागार मे श्रीलक्ष्मीनाथ प्रबंध समिति व भक्त जनो की ओर से विराट महोत्सव के तहत वृदावन के कलाकार राजेन्द्र उपाध्याय ने भजनों एवं रास के माध्यम से उपस्थित श्रद्धाओं को खूब रिझाया। भारतीय कला संस्थान के अशोक शर्मा ने जोरदार प्रस्तुति दी। इस मौके पर पुलिस उप अधीक्षक राजेश विद्यार्थी, तहसीलदार रामचन्द्र गुर्जर, मंदिर कमेटी के अध्यक्ष बाबूलाल झालानी, मंत्री पवन खेडवाल, महोत्सव में आयोजन समिति के सदस्य अनूप बियालां, रमेश माटोलिया, राकेश केजडीवाल, पवन केडिया, अंकित धेलिया, कमल सैनी, ललीत झालानी, मयंक गोयनका, अनुज सर्राफ उपस्थित थे | विक्की देवडा, लक्ष्य लोहिया, योगेश पारासर, राहुल जैन की ओर से महाराष्ट्र के पुणेरी ढोल के मुख्य कलाकार अनिकेत सिंधे, उज्जैन के झांझ कलाकारों सहित अन्य लोक कलाकारों का सम्मान किया गया।

रात्रि को श्रीलक्ष्मीनाथ के सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया | आयोजित कार्यक्रम के दौरान भक्तों के सैलाब को देखते हुए आयोजन समिति की ओर से समीप के देवडा चौक में बडी स्क्रीन की टीवी लगानी पड़ी जहाँ हजारों की संख्या में श्रद्धालू पहुंचे |

इस अवसर पर भगवान् की नृत्य रासलीला का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम के दौरान दान लीला का भी मंचन किया गया। इस अवसर पर कृष्ण लीला का रोमांचित ढंग से आयोजन किया गया। इस मौके पर बृज की होळी, फूलों की होळी, साहित्य होळी, लट्ठमार होळी सहित कृष्ण की विभिन्न लीलाओं की एक से एक बढकर जोरदार प्रस्तुति ने श्रोताओं को रोमांचित कर दिया। आयोजित रासलीला में वृंदावन के अशोक शर्मा के नेतृत्व में कलाकारों की ओर से अनुराग लीला, मोर नृत्य, तांडव नृत्य सहित भगवान् श्रीकृष्ण की ओर से की गई विभिन्न लीलाओं की जोरदार प्रस्तुति दी।

धूमधाम से मनाई रवीन्द्रनाथ टैगोर जयंती

झुंझुनूं (निजसंवाददाता)। न्यू कॉलोनी स्थित डिफेंस पब्लिक सीसै स्कूल झुंझुनूं में रवीन्द्रनाथ टैगोर जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्था चेयरमैन जीएल कालेर ने रवीन्द्रनाथ की प्रतिमा के सामने माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जीएल कालेर ने रवीन्द्रनाथ के आदर्शो पर प्रकाश डाला। उन्होंने महान् हस्ती, दार्शनिक, कवि टैगोर जी के संबंधों का उल्लेख किया व विद्यार्थियों को जुड़ने के लिए प्रेरित किया व विद्यार्थियों को स्वावलंबी बनने की प्रेरणा दी। छात्र-छात्राओं ने भी टैगोर जी के जीवन पर प्रकाश डाला तथा अपनी ओजस्वी कविताओं से सभी का मन मोह लिया। प्रशासनिक अधिकारी कैप्टन अशोक कुमार व प्रधानाचार्य रामसिंह रोहिला ने विद्यार्थियों से टैगोर के गुणों को अपनाने एवं उनके मार्ग पर चलने का आग्रह किया तथा धन्यवाद दिया। इस अवसर पर जगदीश. डूडी, राकेश रेपस्वाल, राकेश बेनीवाल, विकास नितड़, बबिता ढूकिया, बबिता भालोठिया, प्रमिला, मुकेश, सारिका, सुरेंद्र सिंह शेखावत, बाबूलाल सैनी, श्याम सिंह पंवार आदि स्टाफ उपस्थित थे।

कलश यात्रा के साथ भागवत कथा का शुभारम्भ

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता)। पुजारी परिवार के तत्वावधान में रविवार से स्थानीय श्री गौड़ ब्राह्मण भवन में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ हुआ। कथा से पहले भव्य कलश यात्रा निकाली गई जो मुख्य मार्गों से होते हुए वापस कथा स्थल पहुंची। रास्ते में लोगों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। व्यासपीठ से कथा मर्मज्ञ श्री अरविन्द मिश्र ने भागवत का महात्म्य समझाते हुए कहा कि कलियुग में मोक्ष की प्राप्ति इसी महापुराण से हो सकती है। उन्होंने कहा कि कथाओं में सर्वश्रेष्ठ भागवत कथा है। इस दौरान आयोजक कथा में आचार्य नटवरलाल जोशी, काशीप्रसाद पुजारी, रामावतार पुजारी, जगदीश प्रसाद पुजारी, मुकेश पुजारी, मनोज पुजारी, अनिता शुक्ला, प्रोफेसर सुनिता पाण्डे, बबीता शर्मा, संगीता शर्मा, विनोद शुक्ला, योगेश शुक्ला, पूजा शुक्ला, श्रुतिका पुजारी, भावना पुजारी, ममता शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

तिलालोटन चोटी पर फहराया राष्ट्रीय ध्वज

शेखावाटी के पर्वतारोही दल ने हिमालय की 17 हजार फीट ऊंची सारपास चोटी के रास्ते पर

लक्ष्मणगढ़ | 4 मई (निजसंवाददाता) | शेखावाटी क्षेत्र के साहसी पर्वतारोहियों के दल ने हिमालय की 13800 फीट ऊँची सारपास चोटी के रास्ते 17000 फीट से अधिक ऊंची तिलालोटन चोटी पर राष्ट्र ध्वज फहरा कर शेखावाटी क्षेत्र एवं राजस्थान का नाम रोशन किया।

इस अभियान के लक्ष्मणगढ़ निवासी जयपुर वासी राष्ट्रीय वालीबाल खिलाड़ी अजय कुमार जांगिड़ के नेतृत्व में नवीपुरा निवासी पंकज ढाका, मुकुंदगढ़ निवासी सुनील कुमार टेलर, शंकर लाल वर्मा एवं जयपुर निवासी दिनेश कुमार नरुला ने इस अभियान को दुर्गम परस्थितियों एवं विषम मौसम होते हुए भी सफलतापूर्वक अंजाम दिया । मिली जानकारी के अनुसार पर्वतारोहियों का यह दल 24 अप्रैल 2023 को आधार शिविर कसोल पहुँचा तथा 25 अप्रैल से 26 अप्रैल तक स्थानीय मौसम के अनुरूप अभ्यास करते हुए दल के सदस्यों ने 27 अप्रैल को चढ़ाई शुरू की तथा ग्रहण, मिनथाक, नगारु में स्थापित किए गये कैंपों से होते हुए दल ने 2 मई 2023 को उक्त चोटी पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर राजस्थान एवं शेखावाटी क्षेत्र का नाम रोशन किया।

उल्लेखनीय है कि पिछले दो दशकों में सर्वाधिक बर्फबारी होने के कारण पर्वतारोहियों के इस दल ने स्थानीय गाइड के अलावा नेपाल के शेरपा गाइटो की मदद से इस अभियान को सफलतापूर्वक पूर्ण करते हुए दल 3 मई को वापस कसोल स्थित बैस कैंप पहुंचा। दल का नेतृत्व करने वाले अजय कुमार जांगिड़ ने आगे बताया की दल का आगामी पर्वतारोहण का लक्ष्य माउंट एवरेटर का बेस कैंप है। उक्त दल विगत पाँच वर्षों से सतत पर्वतारोहण एवं ट्रेकिंग के अभियानों में भाग लेता आया है।

लक्ष्मणगढ़ का युवा हर्षित बना असिस्टेंट फ्लाइट इंस्ट्रक्टर

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता)। शहर के युवा हर्षित शर्मा आज असिस्टेंट फ्लाइट इंस्ट्रक्टर बना है। जिससे शहर के लोगों में खुशी का माहौल है। हर्षित ने बचपन से ही पायलट बने का सपना देखा था। जो अब असिस्टेंट फ्लाइट इंस्ट्रक्टर बनने पर हुआ है।

हर्षित शर्मा पुत्र ज्योतिषी आचार्य पंडित अभिषेक शर्मा मेहसाणा (गुजरात) में फ्लाइट उड़ाने का प्रशिक्षण देंगे। हर्षित ने बताया कि आज उसने अपने स्वर्गीय दादा द्वारका प्रसाद शर्मा का सपना साकार किया है। उन्होंने कहा कि बचपन में दादाजी कहते थे कि आज मैं तुझे स्कूल छोड़ने साथ आता हूं, उसी तरह तू बड़ा होकर मुझे हवाई जहाज में घुमाना। हर्षित शर्मा की बुआ वरिष्ठ टीचर हेमलता शर्मा ने बताया कि हर्षित के दादाजी ने पोते को पायलट बनाने का सपना देखा था। जिसे हर्षित ने एक कदम आगे बढ़कर पूरा किया है। बता दें कि हर्षित के पिता अभिषेक शर्मा लक्ष्मणगढ़ के ज्योतिषाचार्य है। माता सीमा शर्मा गृहिणी है। हर्षित शर्मा बचपन से ही पढाई में तेज था। हर्षित प्राथमिक शिक्षा लक्ष्मणगढ़ में ही प्राप्त की। इसके बाद सीनियर की शिक्षा सीकर में करने के बाद गुजरात के मेहसाणा में शिक्षा हासिल कर इस मुकाम पर पहुंचे है।

महाराणा प्रताप को दी श्रद्धांजलि

सुजानगढ़। भाजपा खेल प्रकोष्ठ द्वारा महाराणा प्रताप की जयंति मनाई गई। जिला सह संयोजक अमन सोनी ने महाराणा प्रताप की जीवनी के बारे में विस्तृत से जानकारी दी। करणी सेना के पूर्व अध्यक्ष महावीर सिंह परावा ने महाराणा प्रताप को अपना आदर्श मानकर कार्य करने की युवाओं से अपील की। कार्यक्रम में राजेश सामरिया, विक्रम बाला, प्रवीण प्रजापत, सहीराम खुडिया, निर्मल शर्मा, गोपाल सामरिया, मुरली स्वामी आदि ने महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

481वीं महारणा प्रताप जयंती धूमधाम से मनाई

सीकर। बजाज रोड स्थित, डोलियों का बास स्थित सोफिया सेन्ट्रल स्कूल में 481 वीं महाराणा प्रताप जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर उनके जीवन पर आधारित क्विज प्रतियोगिता एवं मोटिवेशनल सेमीनार का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। प्रिंसीपल श्रीपाल शर्मा एवं निदेशक रूपेश शर्मा व रूपेश नवहाल ने प्रतिभावान विद्यार्थियों को क्विज प्रतियोगिता में विजेताओं को मैडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। निदेशक ने सभी विद्यार्थियों को लगातार प्रयत्न करते रहने एवं महान महाराणा प्रताप के जीवन संघर्ष में सफल होने की कहानियों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने की सलाह दी। इस अवसर पर योग कक्षाओं का भी आयोजन किया गया। योग कक्षाओं का संचालन योग गुरू अनिल खण्डेलवाल ने किया। इस अवसर पर समस्त स्टॉफ मौजूद रहा।

भारतीय में बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) | शेखावाटी सीकर की धरा पर प्रकृति की सूरम्य गोद में स्थित छात्र-छात्राओं के सर्वागीण विकास के लिए निरन्तर प्रयासरत भारतीय स्कूल, कॉलेज लक्ष्मणगढ़ में आज बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव पर महात्मा बुद्ध के जीवन पर आधारित छात्र-छात्राओं ने जीवनोपयोगी व ज्ञानोपयोगी कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्र मुग्ध किया। संस्था सचिव कविता महला ने बताया कि संस्था के नन्हें- मुन्हें बालक-बालिकाओं ने संगीत, नृत्य, नाटक एवं भाषण के माध्यम से आकर्षक प्रस्तुति दी गई। साथ ही इस अवसर पर मदर्स डे सेलिब्रेसन का भी आयोजन किया गया और बताया गया माँ दीपक की वो लौ है जो स्वयं जलकर अपनी संतान का जीवन रोशन करती है और माँ वो खुशियों की चाबी है जिससे जीवन की हर खुशी और सफलता का दरवाजा खुलता है। व्यवस्थापक मनोज कुमार रूलानिया ने बताया कि विद्यालय में हाल ही में आयोजित हिन्दी काव्य पाठ प्रतियोगिता में अव्वल रहने वाले विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, साथ ही एकेडेमिक सत्र 2023-24 के मासिक मूल्याकंन में कक्षा में बेहतर परिणाम देने वाले छात्र-छात्राओं को भी मेडल एवं प्रशस्ति पत्रों से सम्मानित किया गया। संस्था निदेशक रामस्वरूप महला ने बुद्ध पूर्णिमा अवसर पर महात्मा बुद्ध को नमन का कर सभी मेधावी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए अपने उद्बोधन में महात्मा बुद्ध के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से सभी को अवगत करवाया और बताया हर इंसान को अपनी बुद्धि का उपयोग आत्मा की आवाज के साथ जोड़कर करना चाहिए और मन को नियंत्रित कर ऐसे कर्म करे जिससे दूसरो के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बने। महान वही होता है जो अपनी बुद्धि एवं ताकत से दूसरों को भी महान् बना सके। उन्होंने अपने अनुरोध में छात्र-छात्राओं को सलाह दी की वे अपना कुछ समय प्रकृति, अपने बुजुर्ग दादा-दादी, नाना-नानी से साथ बिताकर उनके जीवन के अमूल्य अनुभव एवं ज्ञान को ग्रहण करे। कार्यक्रम का संचालन सुनील चौधरी ने किया। इस अवसर पर प्रबंधक धर्मेन्द्र थालौर, रामनारायण वर्मा, राकेश मील, व्याख्याता सहदेव सिंह, हेमन्त दानोदिया, अरविन्द, राजेश जांगिड़ एवं समस्त स्टॉफ एवं छात्र-छात्राए उपस्थित रहे।

सम्पादक,प्रकाशक,मुद्रकः शशिकान्त जोशी, जयन्ती प्रकाशन लक्ष्मणगढ़ (सीकर) राजस्थान | कृष्णा प्रिन्टर्स के लिये सागर कम्प्यूटर, जयपुर द्वारा मुद्रित | प्रबन्ध सम्पादक- डॉ. महेन्द्रआचार्य, समाचार सम्पादक- भानुप्रकाश जोशी
शेखावाटी सन्मार्ग को online पढ़ने के लिये www.srrividya.com वेब साईट विजिटकरें |